अध्याय 7: गोस्वामी तुलसीदास - महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

भाग 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. **'कवितावली' के छंद तुलसीदास के किस कांड से लिए गए हैं?**
    - **(क) बाल कांड**
    - **(ख) अयोध्या कांड**
    - **(ग) उत्तर कांड**
    - **(घ) लंका कांड**
    - **उत्तर: (ग) उत्तर कांड**
2. **तुलसीदास के अनुसार 'पेट की आग' को कौन बुझा सकता है?**
    - **(क) कठिन परिश्रम**
    - **(ख) राजा की कृपा**
    - **(ग) राम रूपी घनश्याम (बादल)**
    - **(घ) वर्षा का जल**
    - **उत्तर: (ग) राम रूपी घनश्याम (बादल)**
3. **'दारिद-दसानन' में कौन सा अलंकार है और यह किसका प्रतीक है?**
    - **(क) उपमा - अमीरी का**
    - **(ख) रूपक - गरीबी का**
    - **(ग) अनुप्रास - रावण का**
    - **(घ) यमक - धन का**
    - **उत्तर: (ख) रूपक - गरीबी का (गरीबी रूपी रावण)**
4. **तुलसीदास ने अपने सवैया में कहाँ सोने की बात कही है?**
    - **(क) मंदिर में**
    - **(ख) घर में**

- (ग) मसीत (मस्जिद) में
- (घ) महल में
- उत्तर: (ग) मसीत (मस्जिद) में

5. लक्ष्मण को किसका बाण लगा था?
   - (क) रावण का
   - (ख) मेघनाद (शक्ति बाण)
   - (ग) कुंभकर्ण का
   - (घ) खर-दूषण का
   - उत्तर: (ख) मेघनाद (शक्ति बाण)
6. लक्ष्मण की मूर्च्छा पर राम का विलाप कैसा प्रतीत होता है?
   - (क) ईश्वरीय चमत्कार
   - (ख) सामान्य मनुष्य के समान (मानवीय अनुसारी)
   - (ग) क्रोधपूर्ण
   - (घ) उपदेशात्मक
   - उत्तर: (ख) सामान्य मनुष्य के समान
7. हनुमान के संजीवनी लेकर आने पर करुण रस में किस रस का संचार होता है?
   - (क) शांत रस
   - (ख) वीर रस
   - (ग) हास्य रस
   - (घ) भयानक रस
   - उत्तर: (ख) वीर रस
8. "बेचत बेटा-बेटकी" पंक्ति तुलसीदास के किस यथार्थ को दर्शाती है?
   - (क) पारिवारिक प्रेम

- (ख) भीषण गरीबी और भूख
- (ग) व्यापारिक कुशलता
- (घ) सामाजिक कुरीतियाँ
- उत्तर: (ख) भीषण गरीबी और भूख

9. राम के अनुसार संसार में क्या दोबारा नहीं मिलता?
   - (क) धन-दौलत
   - (ख) सहोदर भाई (सगा भाई)
   - (ग) मान-सम्मान
   - (घ) राज्य
   - उत्तर: (ख) सहोदर भाई
10. कुंभकर्ण के जागने पर वह कैसा प्रतीत हो रहा था?
    - (क) एक योद्धा जैसा
    - (ख) काल (यमराज) के समान देह धारण किए हुए
    - (ग) एक तपस्वी जैसा
    - (घ) बहुत खुश
    - उत्तर: (ख) काल के समान देह धारण किए हुए

भाग 2: एक पंक्ति वाले प्रश्न (Very Short Answer)

1. तुलसीदास जी ने संसार के समस्त कष्टों का आधार किसे माना है?
   - उत्तर: तुलसीदास जी ने 'पेट की आग' (भूख) को समस्त कष्टों और कर्मों का आधार माना है।
2. 'किसबी' और 'बनिक' शब्दों का क्या अर्थ है?
   - उत्तर: 'किसबी' का अर्थ है धंधा करने वाला या मजदूर, और 'बनिक' का अर्थ है व्यापारी।
3. गरीबी को रावण (दशानन) क्यों कहा गया है?

- **उत्तर: क्योंकि रावण की तरह गरीबी भी दसों दिशाओं से जनता को पीड़ित और प्रताड़ित कर रही है।**

4. **तुलसीदास ने समाज में अपनी जाति के प्रति क्या रुख अपनाया है?**
   - **उत्तर: उन्होंने स्वयं को 'राम का गुलाम' बताते हुए जाति-पाँति के भेदभाव को पूरी तरह नकार दिया है।**
5. **"जैहउँ अवध कवन मुहुँ लाई" - राम को किस बात की चिंता है?**
   - **उत्तर: राम को चिंता है कि वे लक्ष्मण के बिना अयोध्या वापस जाकर अपनी माता सुमित्रा को क्या उत्तर देंगे।**
6. **लक्ष्मण ने राम के लिए क्या-क्या त्याग किया था?**
   - **उत्तर: लक्ष्मण ने राम के हित के लिए अपने माता-पिता और घर का त्याग किया तथा वन के कष्ट (सर्दी, धूप, हवा) सहे।**
7. **संजीवनी बूटी लेने कौन गया था और कहाँ?**
   - **उत्तर: हनुमान जी संजीवनी बूटी लेने द्रोणागिरी पर्वत गए थे।**
8. **तुलसीदास जी किस काल के और किस शाखा के कवि हैं?**
   - **उत्तर: तुलसीदास जी भक्तिकाल की 'रामभक्ति शाखा' के कवि हैं।**
9. **'बड़वागि' से क्या तात्पर्य है?**
   - **उत्तर: 'बड़वागि' का अर्थ है समुद्र में लगने वाली आग।**
10. **राम विलाप के समय हनुमान का आगमन किस उपमा से दर्शाया गया है?**
    - **उत्तर: हनुमान का आगमन करुण रस के बीच वीर रस के उदय जैसा बताया गया है।**

भाग 3: तीन पंक्ति वाले प्रश्न (Short Answer)

1. **"खेती न किसान को, भिखारी को न भीख" - इस पंक्ति के माध्यम से तुलसीदास ने अपने समय की किस आर्थिक स्थिति का वर्णन किया है?**
   - **उत्तर: इस पंक्ति के माध्यम से तुलसीदास ने अपने समय की भीषण बेकारी और अकाल का वर्णन किया है। किसान के पास खेती नहीं है, भिखारी को**

भीख नहीं मिलती, और व्यापारी का व्यापार ठप्प है, जिससे पूरी जनता जीविकाहीन होकर अत्यंत दुखी है।

2. "धूत कहौ, अवधूत कहौ..." सवैया में तुलसीदास के स्वाभिमान का परिचय कैसे मिलता है?
    - उत्तर: इस छंद में तुलसीदास कहते हैं कि समाज उन्हें चाहे धूर्त कहे या सन्यासी, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। वे केवल राम के भक्त हैं। वे किसी की बेटी से अपने बेटे का ब्याह नहीं करना चाहते, इसलिए उन्हें किसी की जाति बिगाड़ने का डर नहीं है। यह उनका दृढ़ आत्मविश्वास है।
3. लक्ष्मण के प्रति राम के स्नेह को 'खग' और 'फनि' (सर्प) के उदाहरण से कैसे स्पष्ट किया गया है?
    - उत्तर: राम कहते हैं कि जैसे पंख के बिना पक्षी अत्यंत दीन (लाचार) होता है और मणि के बिना सर्प तथा सूँड के बिना हाथी शक्तिहीन हो जाते हैं, वैसी ही दयनीय स्थिति मेरी तुम्हारे (लक्ष्मण) बिना हो गई है।
4. "ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि" - पेट की आग मनुष्य से क्या-क्या करवाती है?
    - उत्तर: तुलसीदास कहते हैं कि पेट की भूख इतनी दारुण है कि इसे बुझाने के लिए मनुष्य अच्छे-बुरे कर्म करता है, धर्म-अधर्म के मार्ग पर चलता है, यहाँ तक कि विवश होकर अपने बेटा-बेटी तक को बेचने को तैयार हो जाता है।
5. हनुमान के आने पर राम की और वानर सेना की प्रतिक्रिया क्या थी?
    - उत्तर: हनुमान के संजीवनी लेकर आने पर राम अत्यंत हर्षित हुए और उन्होंने हनुमान को गले लगा लिया। राम की कृतज्ञता देखकर वानर और भालुओं का समूह भी हर्ष से भर गया और पूरे वातावरण में शोक के स्थान पर उत्साह छा गया।
6. तुलसीदास को 'लोकमंगल' का कवि क्यों कहा जाता है?
    - उत्तर: तुलसीदास की कविता केवल भक्ति तक सीमित नहीं है, वह समाज के कष्टों, गरीबी और आपसी समन्वय की बात करती है। वे शास्त्र के साथ लोक (जनता) की भाषा और संवेदना को जोड़ते हैं, जिससे समाज में शांति और एकता का मार्ग प्रशस्त होता है।
7. कुंभकर्ण ने रावण को क्या फटकार लगाई?

- **उत्तर: जब रावण ने सीता हरण की पूरी कथा बताई, तो कुंभकर्ण दुखी हुआ और उसने रावण को 'शठ' (मूर्ख) कहते हुए कहा कि साक्षात् जगदंबा (सीता) का हरण करके अब तू अपना कल्याण चाहता है, जो कि असंभव है।**

8. **"मिलइ न जगत सहोदर भ्राता" - राम ने ऐसा क्यों कहा जबकि वे चारों भाई अलग माताओं के थे?**
   - **उत्तर: यद्यपि राम और लक्ष्मण अलग माताओं के पुत्र थे, परंतु उनके बीच का प्रेम सहोदर (एक ही कोख से जन्मे) भाइयों से भी बढ़कर था। राम के लिए लक्ष्मण उनके प्राणों के आधार थे, इसलिए उन्होंने भाई के खोने के दुख में ऐसा कहा।**
9. **तुलसीदास ने राम को 'घनश्याम' (काले बादल) क्यों कहा है?**
   - **उत्तर: जैसे समुद्र की आग (बड़वागि) को केवल वर्षा के बादल ही बुझा सकते हैं, वैसे ही संसार में फैली गरीबी और पेट की भीषण आग को केवल राम रूपी बादल की कृपा-वर्षा ही शांत कर सकती है।**
10. **राम के विलाप को 'प्रलाप' क्यों कहा गया है?**
    - **उत्तर: जब शोक की अधिकता में मनुष्य तर्कहीन बातें करने लगता है, तो उसे 'प्रलाप' कहते हैं। राम भाई के वियोग में इतने व्याकुल हैं कि वे अपनी ईश्वरीय शक्ति भूलकर एक साधारण मनुष्य की तरह विलाप कर रहे हैं, इसलिए इसे प्रलाप कहा गया है।**

भाग 4: पाँच से छह पंक्ति वाले प्रश्न (Long Answer)

1. **'कवितावली' में उद्धृत छंदों के आधार पर तुलसीदास के युगीन यथार्थ (आर्थिक विषमता) पर प्रकाश डालिए।**
   - **उत्तर: तुलसीदास ने अपने समय की भयानक गरीबी और बेकारी का बहुत ही जीवंत चित्रण किया है। उनके युग में किसान खेती से वंचित था, भिखारी को भीख नहीं मिल रही थी और मजदूर काम की तलाश में व्याकुल थे। लोग एक-दूसरे से पूछते थे कि "कहाँ जाएँ और क्या करें?" भूख की आग इतनी प्रबल थी कि लोग धर्म-अधर्म को भूलकर अपने बच्चों तक को बेच रहे थे। तुलसीदास ने इस दरिद्रता की तुलना रावण से की है जो पूरी दुनिया को दबाए**

जा रहा था। वे इस समस्या का एकमात्र समाधान राम की भक्ति और उनकी कृपा में देखते हैं।

2. लक्ष्मण-मूर्च्छा प्रसंग में राम के मानवीय रूप का चित्रण किस प्रकार किया गया है?
    - उत्तर: यद्यपि राम साक्षात् ईश्वर हैं, परंतु तुलसीदास ने लक्ष्मण की मूर्च्छा पर उन्हें एक साधारण विलाप करते हुए भाई के रूप में दिखाया है। वे अपनी मर्यादा और ईश्वरीय शक्ति भूलकर फूट-फूट कर रोते हैं। वे कहते हैं कि यदि मुझे पता होता कि वन में भाई से बिछड़ना पड़ेगा, तो मैं पिता का वचन भी नहीं मानता। वे पत्नी के प्रति प्रेम की तुलना में भाई के प्रेम को ऊपर रखते हैं और समाज के अपयश की चिंता करते हैं। यह प्रसंग ईश्वर का मानवीकरण कर देता है, जिससे पाठकों की संवेदना राम के साथ सीधे जुड़ जाती है।
3. "पेट की आग का शमन ईश्वर (राम) भक्ति का मेघ ही कर सकता है" - तुलसी के इस कथन की आधुनिक संदर्भ में सार्थकता बताइए।
    - उत्तर: तुलसी का यह कथन आज के युग में भी प्रासंगिक है। आज भी गरीबी, भुखमरी और बेकारी एक बड़ी समस्या है। यद्यपि आज विज्ञान और तकनीक है, परंतु मानवीय मूल्यों और शांति के अभाव में मनुष्य व्याकुल है। तुलसी के 'राम' केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे नैतिक व्यवस्था और लोकमंगल के प्रतीक हैं। जब शासन और समाज में राम जैसे आदर्श और करुणा आएगी, तभी आर्थिक विषमता दूर होगी। आत्मिक शांति और धैर्य के लिए आज भी राम-भक्ति का संदेश उतना ही महत्वपूर्ण है जितना तुलसी के युग में था।
4. तुलसीदास की भाषा और शिल्पगत विशेषताओं का 'कवितावली' और 'मानस' के आधार पर वर्णन करें।
    - उत्तर: तुलसीदास की सबसे बड़ी विशेषता है लोकभाषा (अवधी और ब्रज) का प्रयोग। उन्होंने 'कवितावली' में ब्रजभाषा का और 'रामचरितमानस' में अवधी का प्रयोग किया है। वे सांगरूपक अलंकार के स्वामी हैं, जैसे 'दारिद-दसानन' (गरीबी रूपी रावण)। उनकी शैली में शास्त्र और लोक का समन्वय है। वे कवित्त, सवैया, चौपाई और दोहा जैसे छंदों का कुशलता से प्रयोग करते हैं। उनकी भाषा में ध्वन्यात्मकता और बिंबों की सघनता है, जो दृश्य को पाठक की आँखों के सामने जीवंत कर देती है।

5. **"धूत कहौ, अवधूत कहौ..." वाले छंद में तुलसी की सामाजिक क्रांतिकारी सोच कैसे प्रकट होती है?**
    - **उत्तर: इस छंद में तुलसीदास समाज के जातिवादी ढाँचे को कड़ी चुनौती देते हैं। वे घोषणा करते हैं कि उन्हें किसी की जाति बिगाड़ने में कोई रुचि नहीं है क्योंकि वे अपने बेटे की शादी किसी की बेटी से नहीं करना चाहते। वे स्वयं को राम का गुलाम कहकर समाज के बंधनों से मुक्त कर लेते हैं। वे माँगकर खाने और मस्जिद में सोने की बात करके सांप्रदायिक सद्भाव और फक्कड़पन का परिचय देते हैं। यह उनकी निर्भीक सोच को दर्शाता है जो भक्ति के बल पर समाज के खोखले आडंबरों का तिरस्कार करती है।**
6. **शोकग्रस्त माहौल में हनुमान का आगमन 'करुण रस' के बीच 'वीर रस' का संचार कैसे करता है?**
    - **उत्तर: लक्ष्मण की मूर्च्छा के कारण राम दल में गहरा शोक व्याप्त था। राम का विलाप और वानर सेना की हताशा वातावरण को अत्यंत करुण बना रही थी। ऐसे निराशाजनक समय में जब हनुमान संजीवनी और पूरा द्रोणागिरी पर्वत लेकर प्रकट होते हैं, तो वह दृश्य वीरता और आशा का प्रतीक बन जाता है। हनुमान का साहस और समय पर आना सबको उत्साहित कर देता है। इसीलिए कवि ने इसकी तुलना करुण रस (दुख) के बीच वीर रस (उत्साह/शक्ति) के उदय से की है, जो दुख को सुख में बदल देता है।**
7. **"नारि हानि बिसेष छति नाहीं" - भाई के शोक में राम द्वारा कहे गए इस कथन का समाजशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।**
    - **उत्तर: यह कथन राम की उस समय की मानसिक व्याकुलता और भाई के प्रति अगाध प्रेम को दर्शाता है। समाजशास्त्रीय दृष्टि से यह तत्कालीन पितृसत्तात्मक समाज के दृष्टिकोण को भी प्रतिबिंबित कर सकता है जहाँ स्त्री को पुरुष (भाई) की तुलना में कम महत्व दिया जाता था। हालाँकि, यहाँ राम का मुख्य उद्देश्य स्त्री को नीचा दिखाना नहीं, बल्कि लक्ष्मण के खोने के दुख को सबसे बड़ा बताना था। वे अपने 'अपजस' (बदनामी) की बात करते हैं कि लोग कहेंगे कि राम ने अपनी पत्नी के लिए प्रिय भाई को खो दिया।**
8. **तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' में समन्वय की भावना को किस प्रकार प्रस्तुत किया है?**

- **उत्तर: तुलसी समन्वय के कवि हैं। उन्होंने 'लक्ष्मण-मूर्च्छा' प्रसंग में भी भक्त और भगवान, नर और नारायण, तथा वानर और भालुओं के बीच अद्भुत समन्वय दिखाया है। वे राजा राम को एक सामान्य वनवासी की तरह विलाप करते दिखाकर ईश्वरीय और मानवीय धरातल को एक कर देते हैं। उनके काव्य में सगुण और निर्गुण, ज्ञान और भक्ति, तथा समाज के विभिन्न वर्गों का मिलन दिखाई देता है। यह समन्वय ही तुलसी के काव्य को विश्वव्यापी और कालजयी बनाता है।**

9. कुंभकर्ण के जागने का दृश्य और उसके संवादों का क्या महत्व है?

- **उत्तर: कुंभकर्ण का जागना काल के साक्षात् प्रकट होने जैसा है। वह रावण का भाई है, फिर भी वह रावण को आईना दिखाता है। वह सीता को 'जगदंबा' कहता है और रावण को उसके कुकृत्यों के लिए फटकारता है। यह दृश्य लंका पक्ष के भीतर की नैतिक हार को दर्शाता है। कुंभकर्ण को पता है कि रावण ने गलत किया है और अंत निश्चित है, फिर भी वह भाई के प्रति अपने कर्तव्य के कारण युद्ध में उतरता है। यह संवाद प्रसंग में गंभीरता और वैचारिक गहराई जोड़ता है।**

10.तुलसीदास के सवैया "धूत कहौ..." में 'मसीत को सोइबो' (मस्जिद में सोना) शब्द का क्या महत्व है?

- **उत्तर: यह शब्द तुलसीदास की उदारता और सांप्रदायिक सौहार्द को प्रकट करता है। एक कट्टर रामभक्त होने के बावजूद, वे घोषणा करते हैं कि उन्हें मस्जिद में सोने में कोई परहेज नहीं है। यह उनकी उस फक्कड़ और विद्रोही वृत्ति को दर्शाता है जो किसी एक धार्मिक स्थान या सामाजिक मर्यादा से बँधी नहीं है। वे केवल राम के गुलाम हैं और उनके लिए पूरी धरती राममयी है। यह संदेश आज के दौर में बढ़ते धार्मिक विभेदों को कम करने के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।**